युद्ध में तटस्थ व्यापारिक जहाज — प्रमुख तथ्य

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और कानून (प्रारंभिक परीक्षा: सामान्य अध्ययन) | समाचार संदर्भ: 10 जून 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

जून 2026 में ओमान के पास व्यापारिक टैंकरों पर हुए हमलों ने समुद्र में नाविकों की सुरक्षा और तटस्थ जहाजों के कानूनी दर्जे के सवाल खड़े कर दिए। सरकार की 11 जून की विज्ञप्ति के अनुसार 10 जून को पलाऊ के ध्वज वाले एमटी सेत्तेबेल्लो पर मिसाइल हमला हुआ, जिसमें तीन भारतीय नाविकों की मृत्यु हो गई। 29 जून को प्रकाशित एक कानूनी व्याख्या ने युद्ध के समय ऐसे जहाजों को मिलने वाली सुरक्षा और उसकी सीमाओं को विस्तार से समझाया।

ऐसे मामलों में तीन बातें अलग-अलग देखनी होती हैं: जहाज किस देश में पंजीकृत है, उसका चालक दल किस देश का नागरिक है, और घटना के समय जहाज क्या कर रहा था। सिर्फ इसलिए कि चालक दल भारतीय है, कोई विदेशी ध्वज वाला जहाज भारतीय जहाज नहीं बन जाता।

तटस्थ जहाज का अर्थ:

जो राज्य किसी संघर्ष में भाग नहीं ले रहा, उसके ध्वज वाले व्यापारिक जहाज को यहां तटस्थ व्यापारिक जहाज माना जा सकता है। ऐसे जहाजों का सामान्य काम माल ढुलाई या नागरिक यात्रियों का परिवहन होता है, न कि युद्ध में हिस्सा लेना।

पर तटस्थता हर तरह की कार्रवाई से पूर्ण छूट नहीं देती। यदि जहाज किसी युद्धरत पक्ष के लिए सैन्य काम करने लगे या कुछ अन्य निर्दिष्ट गतिविधियों में जुड़ जाए, तो उसकी कानूनी स्थिति बदल सकती है। वहीं, केवल समुद्र में होना या सामान्य व्यापार करना अपने आप में हमले का कारण नहीं बनता।

सान रेमो मैनुअल क्या है?

समुद्र पर सशस्त्र संघर्ष के नियमों को समझने का सबसे संदर्भित ग्रंथ 1994 का सान रेमो मैनुअल है। इसे अंतर्राष्ट्रीय विधि और नौसैनिक मामलों के विशेषज्ञों ने मिलकर तैयार किया था।

यह अपने आप में कोई बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय संधि नहीं है। इसका महत्व यह है कि यह संबंधित नियमों और सिद्धांतों को व्यवस्थित करके समझाता है। इसलिए परीक्षा में इसे 'सभी देशों की नई संधि' बताना गलत होगा। किसी वास्तविक घटना में लागू संधि, प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय नियम और घटना के तथ्य, तीनों अलग-अलग परखे जाते हैं।

मुख्य तथ्य

- **तटस्थ जहाज:** ऐसा व्यापारिक जहाज जो युद्ध में भाग न लेने वाले देश का हो; युद्ध क्षेत्र में भी उसका सामान्य अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत संरक्षण का आधार होता है।
- **दो ढाँचे:** सशस्त्र संघर्ष का कानून (समुद्री युद्ध) और समुद्र का कानून (UNCLOS) साथ-साथ लागू होते हैं।
- **सान रेमो मैनुअल:** समुद्री युद्ध के अंतर्राष्ट्रीय कानून का व्यापक गैर-बाध्यकारी संकलन; संदर्भ-ग्रंथ के रूप में उपयोग।
- **संरक्षण और अपवाद:** मैनुअल के अनुच्छेद 67 में निर्दिष्ट स्थितियों और हमले की सामान्य शर्तों को साथ पढ़ें; कोई भी चेतावनी न मानना अपने आप हमला वैध नहीं बनाता।
- **भेद जरूरी:** तलाशी-निरीक्षण, कब्जा और सीधा हमला अलग-अलग कानूनी श्रेणियाँ हैं।
- **नाकाबंदी:** वैध नाकाबंदी के लिए घोषणा, प्रभावशीलता और अनुपातिकता जैसी शर्तें मानी जाती हैं।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा के लिए याद रखने योग्य: तटस्थ व्यापारिक जहाज का अर्थ, सान रेमो मैनुअल (1994) की स्थिति (बाध्यकारी संधि नहीं) और ध्वज बनाम चालक दल का अंतर। समुद्र के कानून और समुद्री युद्ध के कानून की पारस्परिकता तथा नागरिक-सैन्य लक्ष्य का विश्लेषण मुख्य परीक्षा लेख में (लिंक नीचे स्रोत में)।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास:

प्रश्न 1. समुद्री संघर्ष के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सान रेमो मैनुअल अपने आप एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है।
2. किसी व्यापारिक जहाज को कब्जे में लेने और उस पर हमला करने की कानूनी शर्तें एक ही नहीं हैं।
3. जहाज का ध्वज-राज्य और उस पर कार्यरत नाविकों की नागरिकता अलग हो सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और कारण देखें
उत्तर: (b) केवल 2 और 3।
मैनुअल एक महत्वपूर्ण गैर-बाध्यकारी संदर्भ है, अपने आप संधि नहीं। कब्जा और हमला अलग कानूनी परीक्षण माँगते हैं। ध्वज-राज्य और नाविकों की नागरिकता अलग हो सकती है।

स्रोत और सीमाएँ

- बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय की 11 जून 2026 की आधिकारिक विज्ञप्ति: पलाऊ ध्वज, 24 भारतीय चालक दल, 10 जून मिसाइल हमला, तीन मृत्यु और बचाव (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- सान रेमो मैनुअल का मूल पाठ: संबंधित अनुच्छेद 27-33, 38-46, 67-69, 93-103 (पढ़े गए खंड): मूल स्रोत खोलें
- ICRC केसबुक: समुद्री युद्ध का कानून और मैनुअल की गैर-बाध्यकारी स्थिति (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- ICRC डेटाबेस: अनुच्छेद 146-152 – कब्जा बनाम हमला, तटस्थ जल सीमा, पुरस्कार निर्णय (पढ़े गए खंड): मूल स्रोत खोलें
- द हिंदू की 29 जून 2026 की कानूनी व्याख्या (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- BBC की 11 जून 2026 की रिपोर्ट: सेंटकॉम के दावे और ऑपरेटर की चेतावनी-अस्वीकृति (पढ़ा): मूल स्रोत खोलें
- **सीमाएँ:** यह लेख किसी हमले की वैधता पर अंतिम न्यायिक निर्णय नहीं देता। सान रेमो मैनुअल अपने आप बाध्यकारी संधि नहीं, एक महत्वपूर्ण गैर-बाध्यकारी संदर्भ है। UNCLOS के सभी प्रावधानों को प्रथागत कानून माना नहीं गया; राजनयिक संरक्षण की स्वत: स्थिति का दावा नहीं। हमले की तारीख 11 जून की सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार 10 जून है; एक स्वतंत्र लेख में 9 जून मिलता है, दोनों का औसत नहीं निकाला गया। किसी पक्ष के दावे को प्रमाणित नहीं माना गया; अद्यतन नाविक-संख्या का कोई दावा नहीं।

इसी विषय का मुख्य परीक्षा (विश्लेषण) लेख: युद्ध में तटस्थ व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा: कानूनी भेद क्यों जरूरी